रणजीत टाइम्स
साप्ताहिक अख़बार

सब सुख लहै तुम्हारी सरना,

तुम रक्षक काहू को डरना॥ तुम रक्षक काहू को डरना॥

रण में जन्मा विश्वास

रणजीत की 10 साल की यात्रा

10 वर्ष पूर्ण होने पर समुह को हार्दिक बधाईयां

सफलता के 10 वर्ष पूर्ण
एक भावना, एक प्रण, एक नाम ...रणजीत

रणजीत टाइम्स

वर्ष : 1, अंक: 102 इंदौर, शनिवार 12 अप्रैल 2025
RNI-NO.MPHIN/2015/64585
DIGITAL EDITION

संपादकीय

रण में जन्मा विश्वास

रणजीत की 10 साल की यात्रा

रणजीत हनुमान का आशीर्वाद

रणजीत टाइम्स न्यूज़पेपर की दस वर्षों की यात्रा एक सच्ची प्रेरणा है। जिस तरह इस अखबार ने पत्रकारिता की दुनिया में अपनी एक अलग पहचान बनाई है, वह काबिल-ए-तारीफ है। सत्य, निष्पक्षता और जनहित को प्राथमिकता देते हुए इस समाचार पत्र ने हर वर्ग के पाठकों के विश्वास को जीता है। हर दिन की खबरों को संजीदगी से प्रस्तुत करना, जन-सरोकार से जुड़ी समस्याओं को प्रमुखता देना और समाज के हर तबके की आवाज़ को मंच देना—ये सब इसकी पहचान बन चुके हैं। ग्रामीण क्षेत्रों की अनसुनी आवाज़ से लेकर राष्ट्रीय मुद्दों तक, रणजीत टाइम्स ने हर मोर्चे पर ईमानदारी से काम किया है। इस अखबार ने न सिर्फ खबरों को छापा, बल्कि समाज में बदलाव की लौ भी जलाई। कई बार इसके द्वारा उजागर की गई सच्चाइयों ने प्रशासन और व्यवस्था को भी जागरूक किया। यह सिर्फ एक अखबार नहीं, बल्कि एक मिशन बन चुका है—जागरूकता, सच्चाई और जनसेवा का। रणजीत टाइम्स की यह 10 साल की यात्रा सिर्फ समय की गणना नहीं है, बल्कि मेहनत, भरोसे, और पत्रकारिता के मूल्यों की जीत है। आने वाले वर्षों में यह अखबार और भी ऊंचाइयों को छुए, यही शुभकामनाएं हैं।

12 अप्रैल 2025.

»»» यह सिर्फ एक तारीख नहीं, बल्कि रणजीत के गौरव, संघर्ष और संकल्प का प्रतीक है।

»»» आज रणजीत टाइम्स को 10 वर्ष पूरे हो रहे हैं – एक दशक की निर्भीक पत्रकारिता, सच की आवाज़ और जनभावनाओं का प्रतिबिंब।

»»» संयोगवश, आज ही वह दिन भी है जब हमारे आराध्य रणजीत हनुमान जी का जन्मोत्सव है – वही हनुमान, जिनका नाम रण (युद्ध) से जुड़ा और जीत (विजय) से पूज्य हुआ।

»»» हमारे अख़बार का नाम 'रणजीत' रखना सिर्फ एक चयन नहीं था, यह एक संकल्प था – सच के रण में सदैव विजयी रहने का।

»»» इन 10 वर्षों में हमने न किसी सत्ता से डरे, न किसी दबाव के आगे झुके।

»»» और शायद यही कारण है कि आम जनता, ग्रामीण किसान, युवा छात्र, और हर वर्ग का पाठक 'रणजीत' को अपनी आवाज़ मानता है।

»»» आज, जब मंदिरों में जयकारा गूंज रहा है – "जय श्रीराम! जय रणजीत हनुमान!"

»»» तो हमें गर्व है कि रणजीत टाइम्स उस चेतना का हिस्सा है, जो विश्वास से जन्मी है और सच्चाई से मजबूत हुई है।

»»» एक भावना, एक प्रण, एक नाम – रणजीत।

संपूर्ण टीम की ओर से
आप सभी को रणजीत हनुमान जयंती की हार्दिक शुभकामनाएँ

आपका - गोपाल गावंडे
प्रधानसंपादक - रणजीत टाइम्स

सयाजी के मैनेजर ने किया सुसाइड,मौत ।

तीसरी मंज़िल से लगाई छलांग हाथ की नस भी कटी मिली

"इंदौर के विजयनगर क्षेत्र में गुरुवार को एक निजी होटल के मैनेजर ने तीसरी मंजिल से कूदकर आत्महत्या कर ली। घटना की सूचना मकान मालिक ने पुलिस को दी। मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को एमवाय अस्पताल भिजवाया। मृतक मैनेजर उत्तराखंड का रहने वाला था। पुलिस ने उसके परिवार को घटना की सूचना दे दी है।" "विजयनगर पुलिस के अनुसार, अमन (32), पुत्र जगदीश सिंह पुडीर, निवासी स्कीम नंबर 78, ने तीन मंजिला मकान की छत से कूदकर आत्महत्या कर ली। तेज आवाज सुनकर आसपास के लोग जाग गए और उन्होंने मकान मालिक मुकेश को सूचना दी। इसके बाद पुलिस को कॉल कर घटना की जानकारी दी गई। अमन मेघदूत क्षेत्र की एक होटल में मैनेजर के पद पर कार्यरत था। वह मूल रूप से उत्तराखंड का निवासी था।"

किसान महापंचायत में गूंजा किसानों का दर्द, सरकार की नीतियों पर उठे सवाल

संजय प्रेम जोशी

समस्याओं की अनदेखी जारी रखी, तो राष्ट्रीय स्तर पर जन आंदोलन छेड़ा जाएगा पूर्व मंत्री ब्रह्मलीन रामेश्वर पटेल के पुण्य स्मरण दिवस पर आयोजित कार्यक्रम में किसान महापंचायत का आयोजन कर किसानों की समस्याओं को प्रमुखता से उठाया गया।

श्री गीता रामेश्वरम ट्रस्ट के तत्वावधान में यह आयोजन बिचौली मर्दाना स्थित विद्यासागर स्कूल के समीप किया गया। पूर्व विधायक सत्यनारायण पटेल और राधेश्याम पटेल के संयोजन में हुए इस आयोजन में मालवा अंचल के 51 अन्नदाताओं का सम्मान किया गया। मंच संचालन समाजसेवी मदन परमालिया ने किया, जबकि स्वागत भाषण संस्था अध्यक्ष विनोद सत्यनारायण पटेल ने दिया एवं आभार चेतन चौधरी ने माना । इस अवसर पर वरिष्ठ कांग्रेस नेता रघु परमार, शहर कांग्रेस अध्यक्ष सूरजीतसिंह चड्ढा, जिला अध्यक्ष सदाशिव यादव, पार्षद सीमा सोलंकी, उमराव सिंह मोर्य, राजेन्द्र मालवीय, शक्तिसिंह गोयल, मोती सिंह पटेल सहित अनेक गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे। किसान नेता हंसराज मंडलोई ने महापंचायत को संबोधित करते हुए किसानों की मौजूदा स्थिति पर चिंता जताई और कहा कि किसानों को उनकी ही जमीनों से बेदखल किया जा रहा है। आईडीए, एमपीआईडीसी नगर निगम, रेलवे, मेट्रो सहित विभिन्न विभागों द्वारा भूमि अधिग्रहण के नाम पर किसानों को गुमराह कर उनकी ज़मीन छीनी जा रही है। उन्होंने कहा कि किसान आज अपनी जमीन का मालिक नहीं रहा, बल्कि सरकार पर आश्रित होता जा रहा है। भूमि अधिग्रहण, समर्थन मूल्य में वृद्धि, सिंचाई जल संकट, नकली बीज-खाद की बिक्री, बिजली संकट और नीलगाय से फसल को नुकसान जैसे मुद्दे अब गंभीर रूप ले चुके हैं।

महापंचायत में यह भी निर्णय लिया गया कि अगर सरकार ने किसानों की समस्याओं की अनदेखी जारी रखी, तो राष्ट्रीय स्तर पर जन आंदोलन छेड़ा जाएगा। इंदौर-बुधनी रेलवे लाइन, आउटर रिंग रोड, अहिल्या पथ, इकनॉमिक कॉरिडोर पीथमपुर, लॉजिस्टिक पार्क संघर्ष समिति के सदस्य भी कार्यक्रम में शामिल हुए और किसानों की जमीनों को बचाने के लिए समर्थन दिया। महापंचायत में सरकार की योजनाओं के नाम पर किसानों पर थोपे जा रहे निर्णयों का तीखा विरोध करते हुए चरणबद्ध आंदोलन की चेतावनी दी गई।

भारतीय जनता पार्टी के स्थापना दिवस कार्यक्रम के अंतर्गत विधानसभा चार में सक्रिय सदस्यों का सम्मेलन आयोजित किया गया

इस अवसर पर नगर अध्यक्ष श्री सुमित मिश्रा ने उद्घाटन सत्र में कार्यकर्ताओं को संबोधित किया तत्पश्चात पूर्व लोकसभा स्पीकर श्रीमती सुमित्रा महाजन ने भाजपा की चुनावी सफलता एवं संगठनात्मक विस्तार विषय पर प्रथम सत्र को संबोधित किया इसके पश्चात पूर्व आईडीए अध्यक्ष श्री जयपाल सिंह चावड़ा ने भारतीय राजनीति में भाजपा द्वारा लाया गया परिवर्तन विषय पर दूसरे सत्र में कार्यकर्ताओं को संबोधित किया फिर तीसरे सत्र में पूर्व नगर अध्यक्ष श्री गौरव रणदिवे ने प्रधानमंत्री के रूप में माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के साथ लगभग 11 वर्षों में विकसित भारत की ओर यात्रा विषय पर कार्यकर्ताओं को संबोधित किया। इस अवसर पर विधायक श्रीमती मालिनी लक्ष्मण सिंह गौड़, पूर्व विधायक श्री गोपीकृष्ण नेमा प्रदेश प्रवक्ता श्री आलोक दुबे मुख्य रूप से उपस्थित रहे।

रणजीत टाइम्स
इंदौर, शनिवार 12 अप्रैल 2025
03
DIGITAL EDITION

जावरा कंपाउंड स्थित भारतीय जनता पार्टी कार्यालय पर आगामी डॉ भीमराव अंबेडकर जयंती उत्सव को लेकर आयोजित हुई बैठक

इंदौर। भारतीय जनता पार्टी इंदौर द्वारा जावरा कंपाउंड स्थित पार्टी कार्यालय पर आगामी डॉ भीमराव अंबेडकर जयंती के उपलक्ष में विभिन्न कार्यक्रमों को लेकर बैठक आयोजित की गई।जिसमें पार्टी के विभिन्न कार्यकर्ता मौजूद रहे।बैठक में आगामी 14 अप्रैल को बाबा साहब की जयंती पर आयोजित उत्सव को लेकर चर्चा की गई। जिसमेंनगर अध्यक्ष श्री सुमित मिश्रा ने कहा कि अंबेडकर जयंती के अवसर पर हमारी पार्टी के द्वारा बस्ती चलो अभियान आयोजित किया गया था और 13 अप्रैल को इस अभियान का आखिरी दिन है।हमें 13 अप्रैल को सुबह 12 प्रतिमाओं पर सफाई अभियान चलाना है।साथ ही हर वार्ड के शक्ति केंद्रों पर सफाई अभियान चलाना है। इस बात की जिम्मेदारी मंडल में कार्य करने वाले पदाधिकारी की है। शहर में कुल 340 शक्ति केंद्र है। हर शक्ति केंद्र पर नगर से प्रतिनिधि भेजे जाएंगे। इस दौरान हर शक्ति केंद्र पर सफाई अभियान के बाद भीमराव जी अंबेडकर के चित्र पर माल्यार्पण करना है। विधानसभा में माल्यार्पण के लिए सभी को निमंत्रण देते हुए एकत्रित करना है। इसी के साथ यदि शक्ति केंद्र के आसपास किसी भी वार्ड में या मंडल में कोई मीसाबंदी या कारसेवक रहते हैं तो हमें उनका भी सम्मान करना है।भीमराव जी ने सभी को समानता का पाठ पढ़ाया है और संविधान में भी इसी बात को बताया है।हम सभी डॉ भीमराव अंबेडकर जी के अनुयाई है और भीमराव जी भी हम सभी के हैं यहां पर कोई जातिवाद नहीं है।हमारे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पहले ऐसे प्रधानमंत्री हैं। जिन्होंने भीमराव जी के जन्मदिन

पर राष्ट्रीय अवकाश घोषित किया है।भीमराव जी ने देश की संस्कृति बचाई है लेकिन मुझे इस बात का बहुत दुख है कि संविधान निर्माता को पहले आम चुनाव में यह शिकायत करनी पड़ी थी कि उनके चुनाव में धांधली हुई है क्योंकि कांग्रेस ने हमेशा से भीमराव जी का शोषण ही किया। जब कांग्रेस के द्वारा कश्मीर में धारा 370 लगाई गई थी। उस समय भी बाबा साहब ने कहा था कि कांग्रेस ने संविधान का गला घोट दिया है और इसी भेदभाव से आहत होकर डॉक्टर श्यामा प्रसाद मुखर्जी और डॉ. बाबासाहेब ने कांग्रेस से इस्तीफा दे दिया था। कांग्रेस हमेशा से फूट डालो और राज करो कि राजनीति कर रही है।कांग्रेस द्वारा फैलाए गए जातिवाद को हमारी पार्टी ने मिटाया है।भारतीय जनता पार्टी के द्वारा भारत के हर एक नागरिक को समान अधिकार दिए गए हैं एवं समान रूप से सभी को लाभ भी दिए जा रहे हैं।इलाज के लिए आयुष्मान हो ,दीनदयाल योजना हो, चाहे लाडली बहन योजना हो भारतीय जनता पार्टी द्वारा बाबा साहब का समानता का और समरसता का संदेश लोगों तक पहुंचाया जा रहा है।मैं सभी कार्यकर्ताओं से यह भी कहना चाहता हूं कि आगामी भीमराव जी की जयंती पर गीता भवन स्थित प्रतिमा के माल्यार्पण के दौरान भारतीय जनता पार्टी के सभी विधायक भी उपस्थित रहेंगे।इसी के साथ ही भीमराव अंबेडकर जी की जयंती के बाद 20 अप्रैल से 25 अप्रैल के बीच पार्टी संगोष्ठी भी आयोजित करेगी, जिसमें बड़े वक्ताओं के आने की संभावना है।

कार्यक्रम के संयोजक श्री घनश्याम शेर जी ने कहा कि हमारी पार्टी के द्वारा बाबा साहब अंबेडकर के जन्म उत्सव को भव्य रूप देने का प्रयास किया जा रहा है। हमारे लिए काफी गर्व की बात है कि हम इस बार भी भव्य रूप से बाबा साहब की जयंती मना रहे हैं। बाबा साहब का लिखा हुआ संविधान सर्वमान्य है। हमारे शहर में पंचशील नगर में पिछले 13 दिन से बाबा साहब की जयंती को लेकर उत्सव लगातार चल रहा है और यह काफी गर्व की और गौरव की बात है।कांग्रेस ने हमेशा बाबा साहब का शोषण किया और उन्हें आगे नहीं बढ़ने दिया।कांग्रेस ने हमेशा से सिर्फ बाबा साहब के नाम पर राजनीति ही की है लेकिन हमारे प्रधानमंत्री पहले ऐसे प्रधानमंत्री हैं जिन्होंने बाबा साहब के जन्मदिन पर राष्ट्रीय अवकाश घोषित किया है। आगामी 13 अप्रैल को हमें अपने-अपने मंडल में आयोजित विभिन्न कार्यक्रम में शामिल होना है एवं उसे सफल भी बनाना है। जिन भी पदाधिकारी को इस कार्यक्रम की जिम्मेदारी दी गई है। वह सभी बाबा साहब की प्रतिमाओं या उनके नाम से जुड़े सार्वजनिक स्थलों या शक्ति केंद्रों का अवलोकन कर रहे हैं और यहां पर साफ सफाई का विशेष अभियान भी चलाया जा रहा है। 13 अप्रैल को सुबह गीता भवन स्थित बाबा साहब की प्रतिमा पर माल्यार्पण किया जाएगा एवं शाम को दीप प्रज्वल किए जाएंगे।वही 14 अप्रैल को भी प्रतिमा का माल्यापर्ण किया जाएगा।

बैठक के दौरान नगर अध्यक्ष सुमित मिश्रा,श्री दिनेश वर्मा,घनश्याम शेर,सूरज केरो,मुकेश राजावत,श्रीमती उमाशशि शर्मा,श्री आलोक दुबे,श्री राजेश शिरोडकर,श्री बलजीत सिंह चौहान,श्री भारत पारिख,श्री अमर पेंढारकर,श्री अश्विन शुक्ल,अशोक अधिकारी, श्री हरप्रीत बक्शी भारतीय जनता पार्टी के समस्त मंडल अध्यक्ष कार्यक्रम के संयोजक एवं सहसंयोजक उपस्थित थे।

पुलिस रिमांड

पूछताछ जारी

डकैती की योजना बनाते, हथियारों से लैस 06 बदमाशों को पुलिस थाना खजराना इंदौर की गिरफत में

1. एनआरआई से ठगी के मामले में 02 क्राईम ब्रांच इंदौर की कार्यवाही में गिरफ्तार

2. अमेरिका में रहने वाले एनआरआई से भारत मेट्रोमोनियल वेबसाइट पर फर्जी आईडी बनाकर की गई थी ठगी

3. गिरफ्तारशुदा आरोपी है सगे भाई बहन

4. आरोपी विशाल को किया अहमदाबाद से गिरफ्तार जबकि आरोपिया सिमरन इंदौर से हुई गिरफ्तार।

5. आरोपियों ने मेट्रोमोनियल वेबसाइट पर इंस्टाग्राम की मॉडल गर्ल के फोटो डालकर बनाई थी फर्जी आईडी।

6. फरियादी के साथ की गई है 2 करोड़ 68 लाख रुपए की ठगी।

7. आरोपियों का पुलिस रिमांड लिया गया, पूछताछ जारी ।

घटना का संक्षिप्त विवरण इस प्रकार है कि मूलतः आंध्र प्रदेश के रहने वाले वेंकट कलगा नामक युवक जो वर्तमान में अमेरिका के नॉर्थ कैरोलिना में नौकरी करते हैं व एनआरआई हैं, उनके द्वारा शिकायत की गई थी कि भारत मेट्रोमोनियल साइट पर अज्ञात व्यक्तियों ने इंस्टाग्राम मॉडल गर्ल के फोटो अपलोड कर प्रोफाइल बनाकर फरियादी के साथ वैवाहिक रिश्ते के लिए बातचीत की तथा बातचीत के दौरान मोबाइल नंबर शेयर करके व्हाट्सएप के जरिए चैटिंग एवं कॉल पर बातचीत करते हुए फरियादी को भरोसे में लेकर उससे विभिन्न किस्तों में बहाने बनाकर रुपए प्राप्त कर लिए जो राशि लगभग 2 करोड़ 68 लाख रुपए है।

शिकायत की जांच के दौरान पाया गया कि आरोपी सिमरन जेसवानी पति लव माखिजानी उम्र 27 वर्ष निवासी इंदौर के द्वारा मार्च 2023 में मेट्रोमोनियल वेबसाइट पर एक इंस्टाग्राम की मॉडल युवती के फोटो को कॉपी कर अपलोड कर प्रोफाइल बनाई गई तथा उसे प्रोफाइल पर वैवाहिक प्रस्ताव के चलते वेंकट कालगा नामक फरियादी से चैटिंग की गई और मोबाइल नंबर लेकर व्हाट्सएप के जरिए भी चैटिंग करते हुए स्वयं को बरखा जैसबानी बताते हुँए विवाह के संबंध में बातचीत की गई बाद आरोपिया सिमरन व उसके भाई विशाल द्वारा लगातार पृथक पृथक बहाने जैसे बरखा की बीमारी के नाम पर और अमेरिका आने के लिए तथा घर की परेशानियों का हवाला देकर फरियादी से विभिन्न किस्तों में ऑनलाइन अपने खातों तथा परिजनो के खातों में अप्रैल 2023 से जून 2024 की मध्यावधि में 2,68,64,481/- की धनराशि प्राप्त कर ली गई। जांच पर से आरोपी विशाल एवं आरोपीय सिमरन के विरुद्ध थाना अपराध शाखा जिला इंदौर में अपराध क्रमांक 71/25 धारा 419, 420, 34 भारतीय दंड संहिता के तहत पंजीबद्ध किया जाकर विवेचना में लिया गया था जिसमें आरोपी विशाल जेसवानी को अहमदाबाद से तथा आरोपीय सिमरन जेसबानी को इंदौर से गिरफ्तार किया गया है। आरंभिक पूछताछ में आरोपियों ने ठगी के इन पैसों से स्वयं की देनदारी चुकाना, चार पहिया वाहनों की खरीदी एवं स्वयं व्यापारिक प्रतिष्ठानों के कार्यों में खर्च करना बताया। आरोपीगण का रिमाण्ड प्राप्त कर अग्रिम पुछताछ जारी है ।

आरोपियों से 01 देशी रिवाल्वर, 01 जिंदा कारतूस, 02 सब्बल, 01 चाकू, 01 कुल्हाड़ी, मिर्ची पाउडर पैकेट व लकड़ी का डंडा आदि किये जप्त।

आरोपियों की जल्द पैसा कमाने की नीयत से, पेट्रोल पंप पर डकैती डालने की थी योजना।

इंदौर शहर में अपराधों की रोकथाम व अपराधियों पर प्रभावी कार्यवाही करने के निर्देश वरिष्ठ अधिकारियों द्वारा दिए गए हैं। उक्त निर्देशों के अनुक्रम में कार्यवाही करते हुए पुलिस थाना खजराना द्वारा डकैती की योजना बनाते 06 आरोपियों को पकड़ा गया हैं। दिनांक 10-11/04/2025 की मध्यरात्रि पुलिस थाना खजराना को मुखिबर से सूचना मिली की स्टार चौराहा के पास में एक पेट्रोल पम्प में डकैती डालने के लिए खुसे मैदान (जंगल जैसी जगह) आर ई 02 थाना खजराना क्षेत्र में प्लाट की दीवाल की आड में बैठकर सशस्त्र बदमाशो के गिरोह व्दारा पेट्रोल पम्प में ड्यूटीरत गार्ड के ऊपर हमला कर डकैती डालने की तैयार कर रहे है।

पुलिस थाना खजराना व्दारा सूचना के आधार पर तत्काल कार्य योजना बनाई गई तथा बरिष्ठ अधिकारियो की जानकारी दी गई मौके पर पहुंते सहायक पुलिस आयुक्त खजराना श्री कुंदन मण्डलोई व्दारा पुलिस उपायुक्त जोन 02 श्री अभिनय विश्वकर्मा व अतिरिक्त पुलिस उपायुक्त जोन 02 अमरेन्द्र सिंह द्वारा दिये गए दिशा निर्देशन में डकैतो को पकडने के लिये पुलिस की अलग अलग दो टीम तैयार की गयी।

दोनो टीम योजना के मुताबिक डकैतो को घेरकर पकडने के लिये जैसे ही आगे बढे सभी डकैत मौके से इधर उधर भागने लगे दोनो टीम मे लगे पुलिस बल के जवानो व अन्य अधिकारियो द्वारा पीछा करके उन्हे पकडा गया। उनसे नाम पता पूछा गया तो सभी ने अपने नाम (1) नासीर खाँ उम्र. 55 साल नि. सुहाना पार्क पटेल नगर इंदौर (2) अली हुसैन उम्र. 40 साल नि. अशरफ नगर आईशा मस्जिद के पास खजराना इंदौर (3) जितेन्द्र चौधरी उम्र. 22 साल नि. गांधी ग्राम खजराना इंदौर (4) यासीन कुरैशी उम्र. 19 साल नि. शालीमार कालोनी खजराना इंदौर (5) मतीन शेख उम्र. 19 साल नि. गांधी ग्राम खजराना इंदौर (6) अब्दुल रहमान उम्र. 18 साल नि. पीली बिल्डींग के पास गांधी ग्राम खजराना इंदौर बताए।

मौके पर बदमाशों की चेंकिंग करने पर उनके पास से 01 देशी रिवाल्वर, 01 जिंदा कारतूस, 02 सब्बल, 01 चाकू, 01 कुल्हाड़ी, मिर्ची पाउडर पैकेट व लकड़ी का डंडा मिला, जिसे विधिवत जप्त किया गया। बदमाशो के मौके से भागने पर अली हसन, जितेन्द्र तथा यासीन के हाथ पांव में गिरने से चोट आयी जिन्हे मानवीय आधार पर पुलिस द्वारा तत्काल अस्पताल पहुंचा कर इलाज कराया गया। आरोपियो ने पूछतांछ पर बताया कि जल्दी अधिक पैसा कमाने के लिये सभी पेट्रोल पम्प पर डकैती डालकर ज्यादा माल कमाना चाहते थे। पुलिस द्वारा आरोपियों को गिरफ्तार किया गया है, जिनके विरुद्ध विवेचना के आधार पर अग्रिम वैधानिक कार्यवाही की जा रही हैं तथा अन्य वारदातों के संबंध में भी पूछताछ की जा रही हैं। उक्त कार्यवाही में थाना खजराना के उप निरी. अनिल गौतम, संदीप पटेल, घनश्याममिश्रा सउनि सुरेन्द्रसिंह, राकेश परमार, प्र. आर. 2316 जितेन्द्र, प्र. आर. 2907 लखन, प्र.आर. 147 गोविंद, प्र. आर. 1948 अजीत, प्र.आर. मेहमूद व आर. 3583 प्रदीप, आर. 360 अरविंद, आर 2042 अंशू शर्मा, आर 2981 टिकूसिंह की सराहनीय भूमिका रही।

हमला, जीतू पटवारी ने सरकार की नीयत पर उठाए सवाल

भोपाल। लाडली बहना योजना की किस्त समय पर न मिलने को लेकर सियासत गर्मा गई है। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष जीतू पटवारी ने सरकार पर तीखा हमला बोलते हुए पूछा है कि क्या राज्य पर कर्ज कम हो गया है या फिर सरकार की नीयत ही बदल गई है? जीतू पटवारी ने सोशल मीडिया पर पोस्ट करते हुए कहा कि पहले ÷लाड़ली बहनों 10 तारीख आ रही है!÷ जैसे बड़े-बड़े होर्डिंग्स लगते थे, लेकिन इस बार न कोई प्रचार दिखा और न ही 10 तारीख को महिलाओं के खातों में पैसे पहुंचे। उन्होंने तंज कसते हुए पूछा, ÷क्या अब सरकार ने अपना वादा भूल गई है?÷ कांग्रेस अध्यक्ष ने यह भी आरोप लगाया कि विधानसभा में खुद सरकार यह स्पष्ट कर चुकी है कि ?1250 की मासिक राशि को बढ़ाकर ?3000 प्रतिमाह नहीं किया जाएगा। उन्होंने मुख्यमंत्री को टैग करते हुए यह भी बताया कि अब तक 15,748 महिलाओं के नाम उनकी मृत्यु के बाद योजना से हटाए जा चुके हैं, जबकि 60 साल की उम्र पूरी कर चुकीं 3,19,991 महिलाएं पहले ही पोर्टल से हटा दी गई हैं। पटवारी ने सरकार से मांग

की कि योजना की पात्रता उम्र सीमा को 21 वर्ष से घटाकर 18 वर्ष किया जाए और अधिकतम उम्र सीमा को 60 वर्ष से बढ़ाकर 65 वर्ष किया जाए। साथ ही उन्होंने नए नाम जोड़ने और सभी बहनों को ?3000 प्रतिमाह भुगतान करने की बात पर अडिग रहने की अपील की। उन्होंने आरोप लगाया कि भाजपा सिर्फ वोट के लिए वादे करती है और अब लाडली बहनों से किया वादा भी तोड़ रही है। कांग्रेस ने इसे महिलाओं के साथ धोखा करार दिया है और सरकार से तुरंत राहत देने की मांग की है।

दिग्विजय सिंह के 'गद्दार' वाले पोस्टर पर सियासत गरमाई बीजेपी ने कहा- मुस्लिम समाज के मौलाना बनने की कोशिश, कांग्रेस ने की देशद्रोह का केस दर्ज करने की मांग

भोपाल। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता और पूर्व मुख्यमंत्री दिग्विजय सिंह को लेकर लगाए गए 'गद्दार' वाले पोस्टरों ने राज्य की सियासत को गरमा दिया है। रतलाम में लगाए गए इन पोस्टरों को लेकर जहां भाजपा ने दिग्विजय पर गंभीर आरोप लगाए हैं, वहीं कांग्रेस ने इसे देशद्रोह मानते हुए सख्त कार्रवाई की मांग की है। पोस्टरों में दिग्विजय सिंह को ÷वतन, धर्म और पूर्वजों का गद्दार÷ बताया गया है।

बीजेपी विधायक रामेश्वर शर्मा का बड़ा बयान

बीजेपी विधायक रामेश्वर शर्मा ने दावा किया कि ये पोस्टर किसी और ने नहीं, बल्कि खुद दिग्विजय सिंह ने ही लगवाए हैं। उन्होंने कहा, ÷वक्फ संशोधन बिल को लेकर न तो राहुल गांधी, न प्रियंका गांधी और न ही किसी अन्य बड़े नेता ने कोई बयान दिया, तो ऐसे में मुस्लिम वोट को साधने के लिए दिग्विजय खुद को मुस्लिम समाज का नेता साबित करने के प्रयास में ऐसे पोस्टर लगवा रहे हैं। यह सब एक सुनियोजित रणनीति का हिस्सा है।÷

कांग्रेस का पलटवार, देशद्रोह का केस दर्ज करने की मांग

मध्यप्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष जीतू पटवारी ने इस पूरे घटनाक्रम पर तीखी प्रतिक्रिया दी है। उन्होंने कहा, ÷एक सांसद को संविधान के तहत अपनी बात कहने का अधिकार है। अगर वह इस अधिकार का प्रयोग करता है, तो उसे गद्दार कहना न केवल अपमानजनक है, बल्कि देशद्रोह के दायरे में आता है।÷ पटवारी ने सभी जिलाध्यक्षों को निर्देश दिया है कि जिन जिलों में ऐसे पोस्टर लगे हैं, वहां संबंधित थानों में शिकायत दर्ज कर कार्रवाई करवाई जाए।

रतलाम में युवा मोर्चा ने लगाए पोस्टर

रतलाम में भारतीय जनता युवा मोर्चा (क्च्छ्ड्ड्रू) की ओर से चौक-चौराहों पर लगाए गए पोस्टरों में दिग्विजय सिंह को ÷गद्दार÷ करार दिया गया। हालांकि बाद में पुलिस ने इन पोस्टरों को हटा दिया। पोस्टरों में लिखा था–

÷वक्फ बिल का विरोध करने वाले दिग्विजय सिंह वतन के, धर्म के, पूर्वजों के गद्दार हैं।÷

वक्फ संशोधन बिल पर घमासान

दरअसल, केंद्र सरकार द्वारा लाए गए वक्फ संशोधन बिल का देशभर में विरोध हो रहा है। दिग्विजय सिंह ने भी इसका विरोध करते हुए कहा था कि ÷यह बिल अल्पसंख्यकों के संवैधानिक अधिकारों को छीनने का प्रयास है।÷ उन्होंने यह भी आरोप लगाया था कि ÷यह सरकार पिछले 11 सालों से सिर्फ हिंदू-मुसलमान कर रही है, कोई ठोस काम नहीं किया जा रहा।÷

दिग्विजय का बयान, सरकार पर निशाना

पूर्व सीएम दिग्विजय सिंह ने ग्वालियर में कहा था–

÷वक्फ संशोधन बिल संविधान के उस मूल ढांचे पर हमला है, जिसमें अल्पसंख्यकों को संरक्षण का अधिकार है। यह बिल एक कुटिल प्रयास है, जिससे उनके अधिकार छीने जा रहे हैं।÷

टीकमगढ़ जिला अस्पताल की लापरवाही का वीडियो वायरल: पिता को लगाई ड्रिप, मासूम बेटे को थमा दी बोतल

टीकमगढ़। मध्यप्रदेश के सरकारी अस्पतालों की बदहाल स्थिति एक बार फिर उजागर हुई है। टीकमगढ़ के जिला अस्पताल से एक शर्मसार करने वाला वीडियो सामने आया है, जिसमें एक मरीज को ड्रिप चढ़ाई गई है, लेकिन उसे पकड़ने के लिए कोई स्टैंड न होने के कारण मासूम बेटे के हाथ में ही ड्रिप की बोतल थमा दी गई। बच्चा बेबस होकर अपने पिता के बिस्तर के पास खड़ा रहा और बोतल खाली होने का इंतजार करता रहा।

बच्चे के हाथ में थमी जिम्मेदारी, अस्पताल बेपरवाह

वीडियो सामने आने के बाद सवाल खड़े हो रहे हैं कि जब अस्पताल में स्टैंड जैसी बुनियादी सुविधा नहीं है, तो वहां इलाज कैसे हो रहा है। मरीज का बेटा कुछ समझ नहीं पा रहा था, फिर भी पिता के इलाज के लिए मासूम अपने हाथ में बोतल थामे खड़ा रहा। यह दृश्य सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है और लोगों में गहरी नाराजगी देखी जा रही है।

बंगलों में सक्रिय डॉक्टर, अस्पताल भगवान भरोसे

स्थानीय लोगों का आरोप है कि अस्पताल में कई डॉक्टर अपने ड्यूटी आवर्स में भी अस्पताल से गायब रहते हैं और अपने निजी बंगलों पर मरीज देखने में व्यस्त रहते हैं। बताया जा रहा है कि कुछ डॉक्टरों की निजी ओपीडी में रोजाना 200 से 300 मरीज देखे जाते हैं, जबकि सरकारी अस्पताल भगवान भरोसे चलता है।

सिविल सर्जन का बयान: जांच के आदेश

मामला वायरल होते ही जिला अस्पताल के सिविल सर्जन ने कहा कि वीडियो की जांच के आदेश दे दिए गए हैं। जो भी कर्मचारी या डॉक्टर दोषी पाया जाएगा, उसके खिलाफ नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी। हालांकि, अस्पताल के अन्य जिम्मेदार अधिकारी इस विषय में टालमटोल करते नजर आए और कैमरे के सामने आने से बचते रहे।

पहले भी सामने आ चुकी हैं गंभीर लापरवाहियां

यह कोई पहली घटना नहीं है जब टीकमगढ़ जिला अस्पताल की लापरवाही सामने आई हो। इससे पहले भी मरीजों को व्हीलचेयर और स्ट्रेचर तक न मिलने की शिकायतें हो चुकी हैं। मरीजों को जमीन पर लिटाकर इलाज करना पड़ा है, लेकिन आज तक स्थायी समाधान नहीं निकाला गया।

मंत्री प्रह्लाद पटेल का अधिकारी पर गुस्सा फूटा: सार्वजनिक कार्यक्रम में दी गाली, जनता से बिना मिले लौटे

शिवपुरी। सत्ता का नशा जब सिर चढ़कर बोलने लगे, तो इंसान अपने पद और प्रतिष्ठा को ही सर्वोपरि समझने लगता है। प्रदेश के कैबिनेट मंत्री और पूर्व केंद्रीय मंत्री प्रह्लाद पटेल भी इन दिनों कुछ इसी अंदाज में नजर आ रहे हैं। पहले जनता को भिखारी कहने का बयान और अब एक अधिकारी को सरेआम गाली देने का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। मंत्री का यह रवैया न सिर्फ प्रशासनिक मर्यादा पर सवाल उठाता है, बल्कि आमजन के प्रति उनके व्यवहार पर भी गंभीर प्रश्नचिन्ह खड़े करता है।

शिवपुरी में कार्यक्रम के दौरान अधिकारी पर भड़के

मंत्री प्रह्लाद पटेल शुक्रवार को शिवपुरी जिले के बैराड़ जनपद के ग्राम देवपुरा में जलगंगा संवर्धन कार्यक्रम में शामिल होने पहुंचे थे। कार्यक्रम स्थल पर पहुंचते ही वे व्यवस्थाओं को लेकर अधिकारियों पर बिफर पड़े और उन्हें जमकर फटकार लगाई। इस दौरान मंत्री इतने नाराज हो गए कि उन्होंने अधिकारी को लेकर अभद्र भाषा का प्रयोग करते हुए गाली तक दे डाली।

पौधारोपण को लेकर भी जताई नाराजगी

– मंत्री ने गर्मियों में पौधारोपण किए जाने पर सवाल उठाते हुए कहा, ÷गर्मियों में कौन पौधा रोपता है? हम तो 20 जून के बाद पौधारोपण करेंगे।÷ इसी दौरान किसी अधिकारी की बात से वह और ज्यादा नाराज हो गए और कार्यक्रम स्थल पर ही अधिकारियों को जमकर सुनाते हुए टेंट में बैठी आम जनता और आदिवासियों से बिना मिले ही लौट गए। कांग्रेस ने इसे लेकर मंत्री पर हमला बोलते हुए कहा है कि मंत्री पद पर बैठे व्यक्ति से ऐसी भाषा की उम्मीद नहीं की जाती। वहीं आम लोगों में भी नाराजगी देखी जा रही है कि जो मंत्री जनता से मिलने आए थे, वे बिना संवाद किए वापस चले गए।

● पहले भी विवादों में रह चुके हैं प्रह्लाद पटेल

यह कोई पहला मौका नहीं है जब मंत्री प्रह्लाद पटेल अपने बयानों के कारण विवादों में घिरे हों। हाल ही में राजगढ़ जिले के सुठालिया में एक कार्यक्रम के दौरान उन्होंने कहा था कि ÷लोगों को सरकार से भीख मांगने की आदत हो गई है।÷ इस बयान पर उन्हें कड़ी आलोचना का सामना करना पड़ा था। उन्होंने जनता के नेताओं को माला पहनाकर मांगपत्र थमाने की आदत को भी गलत ठहराया था।

कार्यक्रम में कांग्रेस विधायक भी थे मौजूद

शिवपुरी के इस सरकारी कार्यक्रम में कांग्रेस विधायक कैलाश कुशवाह भी मौजूद थे। हालांकि मंत्री के इस व्यवहार पर उन्होंने कोई सीधी प्रतिक्रिया नहीं दी, लेकिन स्थानीय राजनीतिक हलकों में मंत्री के व्यवहार की काफी आलोचना हो रही है।

बिश्नोई गैंग को पकड़ा

भोपाल (नप्र)। मप्र पुलिस को बिहार पुलिस ने प्रशंसा के साथ 50 हजार रुपए का इनाम दिया है। बिहार पुलिस ने मप्र पुलिस को यह इनाम लॉरेंस बिश्नोई गैंग मामले में दिया है। मप्र के डीजीपी कैलाश मकवाणा ने बिहार पुलिस की इस प्रशंसा और इनाम पर गुरवार को अपने सोशल मीडिया अकाउंट पर इंदौर पुलिस और पूरी टीम को धन्यवाद दिया है।

वक्फ की जमीन पर कांग्रेस नेताओं का कब्जा: एमपी वक्फ बोर्ड अध्यक्ष का गंभीर आरोप, जल्द जारी होंगे नोटिस

भोपाल। मध्य प्रदेश वक्फ बोर्ड के अध्यक्ष डॉक्टर सनवर पटेल ने कांग्रेस नेताओं पर गंभीर आरोप लगाए हैं उन्होंने कहा कि वक्फ की जमीनों पर कांग्रेस के कई नेताओं ने कब्जा कर लिया है और वे इन जमीनों से खुद के फायदे के लिए इस्तेमाल कर रहे हैं उन्होंने बताया कि कांग्रेस के राष्ट्रीय से लेकर जिला और मंडल स्तर तक के नेताओं के नाम इस मामले में सामने आए हैं। डॉ पटेल ने कहा कि वे करीब दो हजार लोगों की पहचान कर चुके हैं जो वक्फ की जमीनों पर अवैध कब्जा किए हुए हैं अब इन सभी लोगों को नए कानून के तहत एक हफ्ते के अंदर नोटिस जारी किया जाएगा उन्होंने दो नेताओं के नाम लेते हुए कहा कि कांग्रेस नेता नियाज खान से सात करोड़ रुपये की रिकवरी निकाली गई है वहीं बड़वानी के कांग्रेस नेता इकबाल खान से एक करोड़ 42 लाख की राशि की रिकवरी निकाली गई है डॉ पटेल ने यह भी कहा कि जो समझदार मुसलमान हैं वे अब समझ गए हैं कि कांग्रेस सिर्फ भड़काने का काम कर रही है। वक्फ बोर्ड अध्यक्ष के इस बयान पर जल संसाधन मंत्री तुलसी सिलावट ने भी प्रतिक्रिया दी उन्होंने कहा कि कांग्रेस अब सिर्फ ऐसे ही कामों में लगी है और डॉ पटेल ने जो कहा वह बिल्कुल सही बात है। हाल ही में वक्फ संशोधन विधेयक संसद के दोनों सदनों में पारित किया गया था दो अप्रैल को यह लोकसभा और तीन अप्रैल को राज्यसभा में पास हुआ था इसके बाद पांच अप्रैल को राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने इसे मंजूरी दी और आठ अप्रैल से यह कानून पूरे देश में लागू हो गया, वहीं इस कानून के खिलाफ सुप्रीम कोर्ट में बीस से ज्यादा याचिकाएं दाखिल की गई हैं जिनमें कहा गया है कि यह कानून मुसलमानों के साथ भेदभाव करता है और वक्फ जैसी धार्मिक संस्था में सरकारी दखल देना गलत है इस मामले की पहली सुनवाई 16 अप्रैल को सुप्रीम कोर्ट की तीन जजों की बेंच करेगी जिसकी अध्यक्षता चीफ जस्टिस संजीव खन्ना करेंगे।

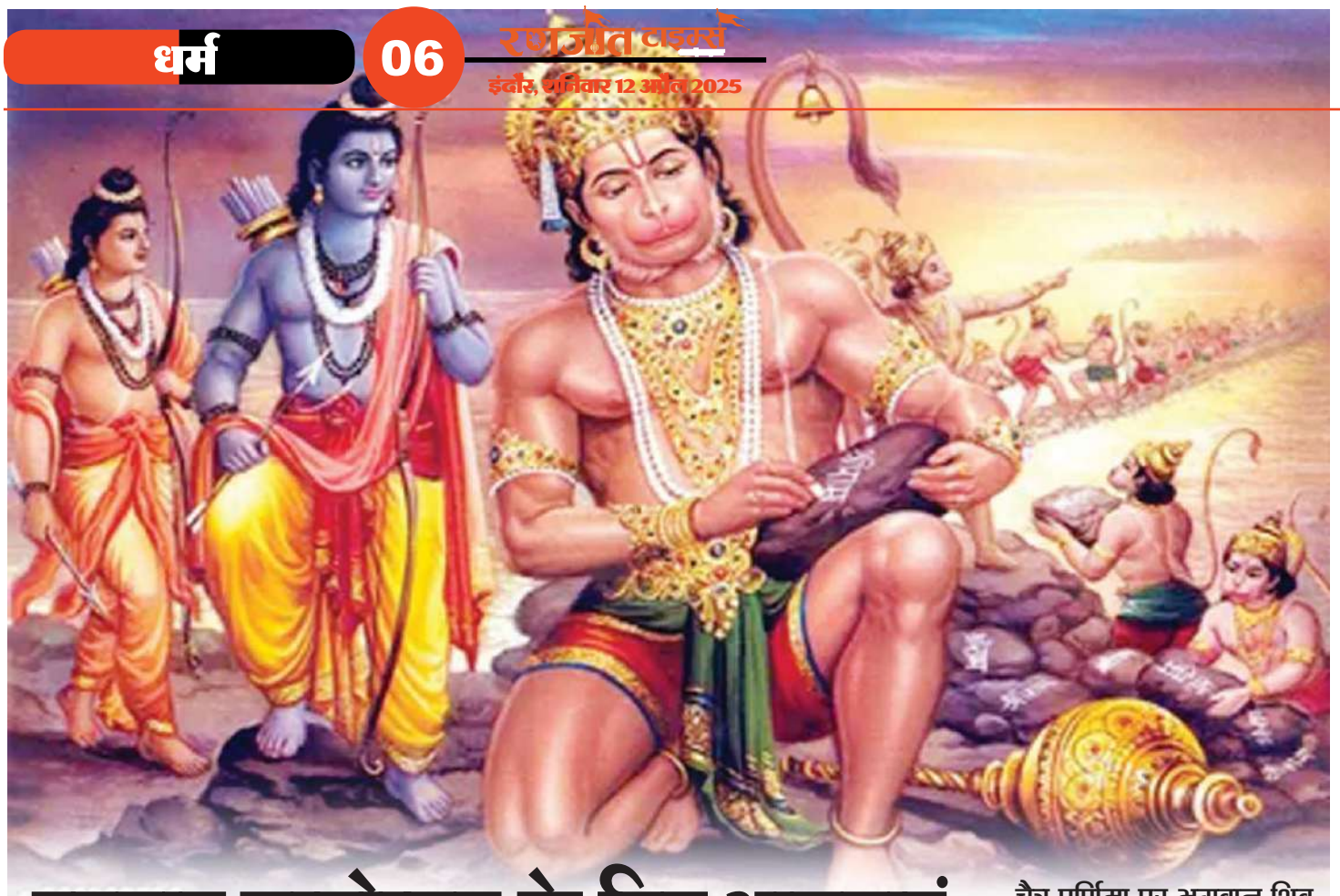

हनुमान जन्मोत्सव के दिन आजमाएं ज्योतिष के ये महाउपाय

चैत्र पूर्णिमा पर भगवान शिव के ग्यारहवें अवतार हनुमान का जन्म हुआ था और यह दिन हनुमान जन्मोत्सव के रूप में धूमधाम से मनाया जाता है। शास्त्रों के अनुसार हनुमान जन्मोत्सव वर्ष में दो बार मनाई जाती है, पहली चैत्र मास की शुक्ल पूर्णिमा के दिन और दूसरी कार्तिक मास की कृष्ण चतुर्दशी को।

चैत्र महीने की पूर्णिमा तिथि को हनुमान जन्मोत्सव के रूप में मनाया जाता है। इस दिन मुख्य रूप से हनुमान जी की पूजा करना और उन्हें भोग में कुछ विशेष चीजें चढ़ाना अत्यंत शुभ माना जाता है। ऐसी मान्यता है कि यदि आप इस दिन पूजा-पाठ के अलावा हनुमान जी के लिए कुछ विशेष ज्योतिष उपाय आजमाते हैं तो इससे आपके जीवन में सदैव उनकी कृपा दृष्टि बनी रहती है। ऐसा कहा जाता है कि हनुमान जी अपने भक्तों को सभी कष्टों से दूर करते हैं और मनोकामनाओं की पूर्ति करते हैं। यदि कोई व्यक्ति हनुमान जन्मोत्सव पर हनुमान चालीसा का पाठ करता है और उनकी पूजा के साथ विशेष उपाय करता है, तो उनके बिगड़े काम भी बनने लगते हैं और हमेशा बजरंगबली की कृपा बनी रहती है।

ऐसा कहा जाता है कि इन उपायों से आपके करियर में आने वाले बाधाएं दूर होने लगती हैं, नौकरी में प्रमोशन के योग बन सकते हैं और आपके पारिवारिक जीवन में आने वाली सभी बाधाएं कम हो सकती हैं। यही नहीं इन उपायों से आपके मन का भी दूर हो सकता है। अगर आप भी अपने जीवन में आने वाली कई बाधाओं से बाहर निकलना चाहते हैं तो हनुमान जन्मोत्सव यानी कि 12 अप्रैल, शनिवार के दिन इन आसान ज्योतिष महा उपायों को जरूर आजमाएं।

हनुमान जन्मोत्सव के दिन श्री हनुमान जी की पूजा विशेष फलदायी मानी जाती है। यदि आप इस दिन उन्हें कुछ विशेष भोग अर्पित करें तो बहुत शुभ हो सकता है। यदि आप इस दिन केले का भोग हनुमान जी को चढ़ाएं तो बहुत फलदायी हो सकता है। ऐसा माना जाता है कि केला हनुमान जी को अत्यंत प्रिय होता है। केले में शुद्धता और सात्विकता का समावेश होता है, जो हनुमान जी के तेजस्वी स्वरूप से मेल खाता है।

धार्मिक मान्यताओं के अनुसार, हनुमान मंदिर में जाकर उन्हें केले का भोग लगाने से जीवन में आने वाली सभी अड़चनें दूर हो सकती हैं और आपके कार्यों में सफलता प्राप्त होती है। यदि यह आप हनुमान जन्मोत्सव के दिन चढ़ाते हैं तो आपको इसका विशेष लाभ हो सकता है। इस भोग को हनुमान जी को अर्पित करने के बाद प्रसाद के रूप में घर के लोगों को वितरित करें।

हनुमान जी को जनेऊ चढ़ाएं

हनुमान जी को ब्रह्मचारी और बल, बुद्धि और विद्या के देवता के रूप में पूजा जाता है। यदि आप उन्हें हनुमान जन्मोत्सव के दिन जनेऊ अर्पित करें तो आपको इसके शुभ लाभ हो सकते हैं। ऐसा माना जाता है कि हनुमान जी को नया जनेऊ चढ़ाने से व्यक्ति के जीवन में संस्कार, ज्ञान और आत्मबल की वृद्धि होती है। हनुमान जन्मोत्सव के दिन किसी हनुमान मंदिर में जाकर यदि शुद्ध और पवित्र जनेऊ चढ़ाया जाए, तो यह जीवन के सभी क्षेत्रों में शुभ फल देता है। यह कार्य विशेष रूप से विद्यार्थियों, नौकरीपेशा लोगों और उन लोगों के लिए लाभकारी माना गया है जो अपने जीवन में मानसिक और आत्मिक बल का अभाव महसूस कर रहे हैं। ध्यान रखें कि जनेऊ चढ़ाने से पहले हनुमान जी की प्रतिमा को शुद्ध जल से स्नान कराएं और उसके बाद ही जनेऊ अर्पित करें।

हनुमान जी को नारंगी सिंदूर चढ़ाएं

मान्यता है की हनुमानजी को नारंगी सिंदूर अत्यंत प्रिय है और उन्हें सिंदूर चढ़ाने से आपको शुभ लाभ मिल सकते हैं। धार्मिक मान्यता है कि एक बार हनुमान जी ने माता सीता से उनकी मांग में सिंदूर लगाने का रहस्य पूछा तो उन्होंने उत्तर दिया कि सिन्दूर लगाने से प्रभु श्री राम को दीर्घायु मिलेगी। उसी समय से हनुमान जी ने अपने पूरे शरीर में सिंदूरका लेप कर लिया जिससे उनके आराध्य प्रभु श्री राम के जीवन में इसके सकारात्मक प्रभाव पड़ें और वो प्रसन्न हों। तभी से हनुमान जी को सिंदूर चढ़ाने की परंपरा शुरू हुई। नारंगी रंग बल, साहस और ऊर्जा का प्रतीक होता है, जो हनुमान जी के तेजस्वी स्वरूप से मेल खाता है। हनुमान जन्मोत्सव को नारंगी सिंदूर अर्पित करने से शत्रु बाधा भी समाप्त हो सकती है।

दो मीठे पान का दान करें

हनुमान जन्मोत्सव के दिन यदि आप हनुमान जी को पान अर्पित करें और दो मीठे पान दान स्वरूप दें तो आपके जीवन में इसके लाभ हो सकते हैं। मीठे पान का दान करने से जीवन में मधुरता और सौभाग्य की वृद्धि होती है। मीठा पान प्रेम, समर्पण और मधुर वाणी का प्रतीक होता है। हनुमान जन्मोत्सव के दिन यदि हनुमान जी को दो मीठे पान अर्पित किए जाएं, तो यह रिश्तों में मिठास लाने, दांपत्य जीवन में सामंजस्य बनाए रखने और समाज में सम्मान प्राप्त करने में सहायक होता है। यह सरल उपाय जीवन में कई सकारात्मक बदलाव ला सकता है।

अपनी मनोकामनाएं हनुमान जी के सामने रखें

हनुमान जी को संकटमोचक कहा गया है, यानी वे अपने भक्तों के हर संकट को हर लेते हैं। उनकी कृपा से असंभव भी संभव हो सकता है। हनुमान जन्मोत्सव जैसे विशेष अवसर पर जब भक्त सच्चे मन से अपनी मनोकामनाएं उनके समक्ष रखते हैं, तो वे अवश्य पूरी होती हैं। चाहे नौकरी की समस्या हो, विवाह में अड़चन हो या स्वास्थ्य संबंधी परेशानी। अपनी मनोकामनाएं रखने से इच्छाएं पूर्ण हो सकती हैं। अपनी मनोकामना रखने से पहले हनुमान जी का ध्यान करें, और ऊँ हं हनुमते नम:; मंत्र का 11 या 21 बार जाप करें।

हनुमान जन्मोत्सव पर बन रहे हैं दुर्लभ शुभ संयोग

इस साल हनुमान जन्मोत्सव 12 अप्रैल 2025 को मनाया जाएगा। इस दिन हस्त नक्षत्र, व्याघात योग और शनिवार का शुभ संयोग बन रहा है। हस्त नक्षत्र शाम 6 बजकर 8 मिनट तक रहेगा। इस दौरान व्याघात योग भी बनेगा, जो रात 8 बजकर 39 मिनट तक है। वहीं इस बार हनुमान जन्मोत्सव शनिवार के दिन है। बता दें कि शनिवार का दिन बजरंगबली की पूजा के लिए समर्पित होता है। ऐसे में शनिवार के दिन हनुमान जन्मोत्सव पड़ना बहुत ही शुभ संयोग है।

धार्मिक मान्यताओं के अनुसार, चैत्र माह की पूर्णिमा तिथि के दिन ही माता अंजनी और वानरराज राजा केसरी के घर हनुमान जी का जन्म हुआ था। इसलिए हर साल इसी दिन धूमधाम के साथ हनुमान जी का जन्मोत्सव मनाया जाता है। इस दिन केसरी नंदन के साथ ही भगवान राम और माता सीता की पूजा भी अवश्य करें। सिया राम की पूजा के बिना बजरंगबली की आराधना अधूरी मानी जाती है।

चैत्र पूर्णिमा के दिन इस विधि से करें श्रीयंत्र की पूजा

हिंदू धर्म में चैत्र पूर्णिमा का व्रत माता लक्ष्मी को समर्पित है। इस दिन श्रीयंत्र की पूजा विधिवत रूप से करने का विधान है।

सनातन धर्म में चैत्र पूर्णिमा को चैती पूर्णिमा के नाम से भी जाना जाता है। यह हिंदू नववर्ष की पहली पूर्णिमा है। पूर्णिमा तिथि के दिन मां लक्ष्मी और चंद्रमा की पूजा विधिवत रूप से करने का विधान है। ऐसी मान्यता है कि अगर आपको आर्थिक तंगी का सामना करना पड़ रहा है तो चैत्र पूर्णिमा के दिन मां लक्ष्मी की पूजा से लाभ हो सकता है। साथ ही अगर किसी जातक की कुंडली में चंद्रमा की स्थिति कमजोर है तो इस दिन चंद्रमा को अर्घ्य देने और पूजा करने से भाग्योदय हो सकता है। अब ऐसे में चैत्र पूर्णिमा के दिन श्रीयंत्र की पूजा करने का विधान है।

चैत्र पूर्णिमा के दिन श्रीयंत्र की पूजा किस विधि से करें?

- सुबह ब्रह्म मुहूर्त में जल्दी उठकर स्नान करें और साफ कपड़े पहनें।
- पूजा स्थल को साफ करें और गंगाजल छिड़कें।
- एक चौकी पर लाल कपड़ा बिछाएं और उस पर श्रीयंत्र स्थापित करें।
- श्रीयंत्र को पंचामृत (दूध, दही, घी, शहद और चीनी का मिश्रण) से स्नान कराएं और फिर गंगाजल से साफ करें।
- श्रीयंत्र पर तिलक लगाएं और अक्षत चढ़ाएं।
- दीपक और धूप जलाएं।
- मां लक्ष्मी और भगवान विष्णु की मूर्ति या तस्वीर पास में रखें।
- सबसे पहले गणेश जी की पूजा करें।
- फिर मां लक्ष्मी और भगवान विष्णु का ध्यान करें और उन्हें फूल, फल और मिठाई अर्पित करें।
- श्रीयंत्र के सामने बैठकर श्री सूक्त का पाठ करें। आप लक्ष्मी मंत्रों का जाप भी कर सकते हैं।
- आखिर में श्रीयंत्र की आरती करें।
- चैत्र पूर्णिमा के दिन श्रीयंत्र की पूजा करने के नियम
- श्रीयंत्र की पूजा-अर्चना करने के दौरान माता लक्ष्मी की पूजा विधिवत रूप से करें।
- श्रीयंत्र की पूजा करने के दौरान मंत्रों का जाप करने से लाभ हो सकता है।
- श्रीयंत्र की पूजा करने से बाद कुबेर देवता की भी जरूर करें। इससे आर्थिक तंगी से छुटकारा मिल सकता है।
- श्रीयंत्र की पूजा कभी भी प्रदोष काल में किया जा सकता है।

चैत्र पूर्णिमा के दिन श्रीयंत्र की पूजा का महत्व

धार्मिक मान्यताओं के अनुसार, चैत्र पूर्णिमा के दिन श्रीयंत्र की पूजा करने से व्यक्ति को आर्थिक तंगी से छुटकारा मिल सकता है और व्यक्ति को भौतिक सुखों की भी प्राप्ति हो सकती है। इसके अलावा अगर आपके जीवन में बार-बार समस्याएं आ रही है तो चैत्र पूर्णिमा के दिन श्रीयंत्र की पूजा करने से शुभ परिणाम मिल सकते हैं।

गौशाला, महू के आशापुरा में मुख्यमंत्री करेंगे भूमिपूजन

गोशाला में गायों की पूजा के लिए बनेगा अलग केंद्र, अस्पताल से लेकर पानी-भोजन की रहेगी पूरी व्यवस्था

इंदौर। इंदौर नगर निगम द्वारा महू तहसील के ग्राम आशापुरा में 42 करोड़ रुपए की लागत से गोशाला का निर्माण किया जाएगा। इस गोशाला में 10000 गाय रखी जा सकेंगी। गोशाला में गायों की देखरेख से लेकर सुख-सुविधा तक के लिए प्रावधान किया गया है। यहां गायों के लिए भोजन से लेकर पानी तक की पूरी व्यवस्था रहेगी। गोशाला में गायों की पूजा के लिए अलग से केंद्र बनाया जाएगा।

निगम को गौशाला के निर्माण के लिए जिला प्रशासन द्वारा ग्राम आशापुरा में 26 हेक्टेयर जमीन आवंटित की गई है। इस जमीन का अग्रिम आधिपत्य भी नगर निगम को दे दिया गया है। निगम द्वारा इस जमीन पर गौशाला निर्माण के लिए योजना तैयार कर ली गई है। आज 12 अप्रैल को प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव द्वारा इस गोशाला का भूमिपूजन किया जाएगा। निगम द्वारा बनाई गई योजना के अनुसार इस गौशाला में 10000 गायों को रखा जा सकेगा। गायों को रखने के लिए आठ शेड बनाए जाएंगे। एक शेड में 1250 गाय रखी जा सकेंगी। हर शेड के साथ गाय के घूमने के लिए खुली जमीन भी रखी जा रही है। इस खुली जमीन और शेड को मिलाकर ही एक यूनिट मानी गई है। इस गोशाला के क्षेत्र में गौ माता को पर्याप्त और शुद्ध पानी मिल सके, इसके लिए एक लाख लीटर क्षमता वाली पानी की टंकी भी बनाई जाएगी। गाय का दाना-पानी रखने के लिए स्टोर रूम और भूसाघर बनाया जाएगा।

बीमार गाय की बेहतर तरीके से देखरेख करने के लिए एक अलग शेड रखा गया है। इस शेड में डॉक्टर, पैरामेडिकल स्टाफ और दवाई की व्यवस्था रहेगी। इसके अतिरिक्त इस गोशाला में प्रशासनिक कार्यालय, वहां काम करने वाले लोगों के लिए निवास की व्यवस्था का भी प्रावधान रखा गया है। गोशाला का भव्य प्रवेश द्वार बनाया जाएगा। गोशाला के क्षेत्र में एक तालाब भी है, जिसका सौंदर्यीकरण किया जाएगा। पूरे गौशाला परिसर में सघन पौधारोपण किया जाएगा और आंतरिक पहुंच मार्ग का निर्माण किया जाएगा। हमेशा त्योहार और विशेष

अवसर पर बड़ी संख्या में लोग गोशाला में गोमाता के पूजन के लिए पहुंचते हैं। ऐसे लोगों की सुविधा के लिए गोपूजन केंद्र का निर्माण किया जाएगा। इस केंद्र को इस तरह से बनाया जाएगा कि एक साथ चार-पांच गाय वहां पर खड़ी हो सकें और नागरिक सुविधा के साथ इन गोमाता का पूजन कर सकें। इसके अतिरिक्त रसोई कक्ष और बैठक कक्ष का निर्माण भी किया जाएगा। इस गौशाला का विकास चरणबद्ध तरीके से किया जाएगा। नगर निगम द्वारा तैयार कराए गए प्रोजेक्ट के अनुसार इस पूरी गौशाला के विकास में 42 करोड रुपए खर्च होंगे।

अभी निगम के पास है एक गोशाला

इंदौर नगर निगम के पास अभी यशवंत सागर के समीप ग्राम खजूरिया में एक गौशाला है। इस गौशाला में इस समय गायों की संख्या 2000 हो गई है। यह गौशाला भी किसी समय पर अव्यवस्थाओं के लिए पहचानी जाती थी। पिछले 2 साल के दौरान निगम द्वारा इस गौशाला का संचालन व्यवस्थित तरीके से करने की व्यवस्था की गई है। अब इस गौशाला में गौ माता की सही तरीके से देखरेख हो पा रही है।

सबसे व्यवस्थित गौशाला होगी

महापौर पुष्यमित्र भार्गव ने कहा है कि ग्राम आशापुरा में नगर निगम द्वारा विकसित की जाने वाली गौशाला न केवल सबसे बड़ी गौशाला होगी, बल्कि सबसे ज्यादा व्यवस्थित और बेहतर गोशाला होगी। हमारा लक्ष्य इस गौशाला की स्थापना करना ही नहीं है, बल्कि इस गौशाला में गाय माता की सही तरीके से देखरेख करना भी है।

नई सड़कों में छोड़ी गई गैप बन रही हादसों की वजह, नगर निगम करेगा सुधार

इंदौर। शहर में नगर निगम द्वारा हाल ही में बनाई गई नई सड़कों में छोड़े गए तकनीकी गैप अब आम लोगों के लिए परेशानी और हादसों का कारण बनते जा रहे हैं। इन सड़कों को आधुनिक तकनीक से बनाया जा रहा है, जिसमें बीच में 10-10 फीट के ब्लॉक में गैप छोड़े जाते हैं। इसका उद्देश्य यह होता है कि सड़कों को गर्मी और दबाव से बचाया जा सके, लेकिन यह प्रयोग अब लोगों की जान पर बन आया है। शहर के रेसकोर्स रोड, डीआरपी लाइन, मरीमाता से इमली बाजार, एमजी रोड और गोराकुंड जैसे कई मुख्य मार्गों पर इन गैप्स के कारण रोजाना दोपहिया वाहन चालकों को दुर्घटनाओं का सामना करना पड़ रहा है। इन सड़कों पर कई बार ऐसे हादसे हो चुके हैं जिनमें लोग गंभीर रूप से घायल भी हुए हैं। खासकर जिन इलाकों में ट्रैफिक दबाव ज्यादा है, वहां यह समस्या और अधिक भयावह बन गई है।

गैप की वजह से बिगड़ता है संतुलन, गिर रहे वाहन चालक- सड़क पर चलते वक्त जब वाहन का पहिया इन गैप में फंसता है तो संतुलन बिगड़ जाता है और वाहन चालक गिर पड़ता है। विशेष रूप से स्कूटर और मोटरसाइकिल चालकों के लिए यह खतरा और अधिक है। कई लोग इन खांचों की चपेट में आकर गंभीर चोटें भी खा चुके हैं, लेकिन फिर भी इन गैप्स को भरने के लिए कोई स्थायी समाधान अब तक सामने नहीं आया था।

जनता में नाराज़गी, अब नगर निगम करेगा सुधार- लगातार हो रही दुर्घटनाओं से जनता में रोष बढ़ता जा रहा है। इसी बीच जनकार्य समिति प्रभारी राजेंद्र राठौर ने बताया कि नगर निगम ने अब इस दिशा में कदम उठाने का निर्णय लिया है। राठौर के अनुसार सभी नई सड़कों पर छोड़ी गई गैप को बालू रेत और पतले डामर की परत से भरने का काम शुरू किया जाएगा। यह कार्य दो से चार दिनों में शुरू किया जाएगा। उन्होंने यह भी कहा कि भविष्य में इन गैप्स के लिए कोई और सुरक्षित और वैकल्पिक तकनीक अपनाने पर भी विचार किया जा रहा है।

कमिश्नर शिवम वर्मा के सामने हुआ हादसा, मौके पर कराया सुधार कार्य- इस गंभीर स्थिति का अंदाजा इसी बात से लगाया जा सकता है कि कुछ दिन पहले नगर निगम कमिश्नर शिवम वर्मा जब रेसकोर्स रोड से गुजर रहे थे, तभी उनकी आंखों के सामने एक दोपहिया वाहन सवार गैप में फंसकर गिर पड़ा। यह घटना होते ही कमिश्नर ने तत्काल अपनी गाड़ी रुकवाई, घायल चालक से बात की और मौके पर निगम की जनकार्य टीम को बुलवाकर हाथोंहाथ सुधार कार्य शुरू करवाया।

अब भी कई सड़कें हादसों की इंतजार में

शहर में कई ऐसी सड़कों की पहचान की गई है जहां गैप की स्थिति बेहद खराब है, लेकिन अब तक सुधार कार्य नहीं हुआ है। मरीमाता से लेकर इमली बाजार तक बनी सड़क, डीआरपी लाइन चौराहा, शांतिपथ मार्ग और एमजी रोड जैसे इलाके अभी भी खतरे के साये में हैं। आने वाले दिनों में इन सभी स्थानों पर सुधार कार्य शुरू करने की योजना है।

शहरवासियों की सुरक्षा को लेकर नगर निगम पर उठे सवाल- इन घटनाओं ने एक बार फिर सवाल खड़े कर दिए हैं कि क्या नगर निगम निर्माण कार्यों की गुणवत्ता और सुरक्षा मानकों को लेकर पर्याप्त सतर्कता बरत रहा है? क्या सिर्फ तकनीकी उपायों के नाम पर नागरिकों की जान से खिलवाड़ हो रहा है? अब जबकि हादसे सामने आ चुके हैं, क्या वाकई निगम आने वाले समय में अपनी ज़िम्मेदारी निभाएगा या फिर ये सुधार सिर्फ दिखावटी होंगे?

कांग्रेस में जिला अध्यक्ष की नियुक्ति से पहले ही बढ़ा विवाद, इंदौर से दिल्ली तक पहुंचीं शिकायतें

इंदौर। कांग्रेस में संगठनात्मक बदलाव की प्रक्रिया अभी शुरू ही हुई है और इसके साथ ही गुटबाजी और शिकायतों का दौर भी तेज हो गया है। प्रदेश में सभी जिला और शहर कांग्रेस अध्यक्षों को बदलने का निर्णय लिया गया है, और इसी प्रक्रिया के तहत इंदौर जिले में नए अध्यक्ष की नियुक्ति से पहले ही विवाद खड़ा हो गया है।कांग्रेस के प्रदेश प्रभारी हरीश चौधरी के निर्देश पर प्रदेश अध्यक्ष जीतू पटवारी ने सभी जिलों में नए अध्यक्षों की नियुक्ति के लिए विचार-विमर्श लगभग पूरा कर लिया है। इंदौर जिले के नए अध्यक्ष को लेकर अब स्थिति काफी रोचक और तनावपूर्ण होती जा रही है। सूत्रों के अनुसार पटवारी नए चेहरे को मौका देने के मूड में हैं। इस पद के लिए सबसे आगे राधेश्याम पटेल का नाम चल रहा है। माना जा रहा है कि उन्हें ही यह जिम्मेदारी सौंपी जा सकती है।

लेकिन जैसे ही यह संकेत मिले, इंदौर से लेकर दिल्ली तक पटेल के खिलाफ शिकायतों का सिलसिला शुरू हो गया। आरोप है कि राधेश्याम पटेल जिले की विभिन्न तहसीलों के नेताओं के साथ सामंजस्य नहीं बिठा पा रहे हैं, यहां

तक कि अपनी ही देपालपुर तहसील में भी उनके संबंध कमजोर बताए जा रहे हैं। इस बीच कांग्रेस के अहमदाबाद अधिवेशन में राहुल गांधी ने यह स्पष्ट किया था कि जो नेता भाजपा से करीबी रखते हैं, उन्हें पार्टी में बड़ी जिम्मेदारी नहीं दी जानी चाहिए। इसी संदर्भ में राधेश्याम पटेल के खिलाफ नई शिकायत सामने आई है, जिसमें आरोप है कि उनके परिवार का एक सदस्य राहुल पटेल गुजरात में भाजपा प्रत्याशी हार्दिक पटेल का चुनाव प्रचार करता नजर आया। इसके प्रमाणस्वरूप प्रचार के दौरान की तस्वीरें भी कांग्रेस हाईकमान को भेजी गई हैं। इन सब के बीच, राऊ विधानसभा क्षेत्र से मनीष पटेल का नाम भी एक मजबूत दावेदार के रूप में उभरकर सामने आया है। हालांकि जिले की सभी तहसीलों में उनकी पकड़ भी सीमित बताई जा रही है। जिला अध्यक्ष पद को लेकर कांग्रेस के भीतर उठापटक तेज हो गई है। हर तहसील से अलग-अलग दावेदार सामने आ रहे हैं और शिकायतों का सिलसिला थमने का नाम नहीं ले रहा। अब देखना दिलचस्प होगा कि कांग्रेस इस गुटबाजी को कैसे संभालती है और किसे इंदौर का नया जिला अध्यक्ष बनाकर भेजती है।

पारा 41 के पार पहुंचा, अब भी बच्चे दो से तीन बजे स्कूल से लौटने को मजबूर

इंदौर। बढ़ती तपन का असर पशु-पक्षियों के साथ इंसानों पर भी नजर आने लगा है। कल कालिंदीकुंज में पांच मोर गर्मी की मार के चलते पेड़ों पर बैठे-बैठे ही जमीन पर औंधे मुंह गिरे और काल के गाल में समा गए। ऐसे में स्कूलों का समय कम करने की मांग उठने लगी है। इस बार अप्रैल माह में ही सूरज की तपन 41 डिग्री के पार पहुंच चुकी है। आसपास के जिलों के कलेक्टर ने बच्चों के स्कूल समय में परिवर्तन कर दिया है, लेकिन इंदौर के स्कूलों के बच्चे अब भी दो से तीन बजे तक की तपती धूप में घर लौट रहे हैं।

अप्रैल माह के साथ ही नया शिक्षा सत्र शुरू हो चुका है। इसके साथ ही सूरज की तपन इतनी तेज हो गई है कि सुबह दस बजे से ही लपटों का अहसास होने लगता है। ऐसे में स्कूलों की छुट्टी का समय परिवर्तित नहीं किए जाने के कारण बच्चे तपती धूप में घर लौट रहे हैं। सुबह साढ़े सात बजे से संचालित होने वाले अधिकांश स्कूलों में छुट्टी का समय दो से तीन बजे के बीच का है, जिसके कारण बच्चे तपती धूप की मार सहने को मजबूर हैं। इस मामले में कलेक्टर आशीषसिंह का कहना है कि अभी इंदौर में इतनी गर्मी शुरू नहीं हुई है। मौसम विशेषज्ञों से विचार-विमर्श कर स्कूलों के छूटने के समय में परिवर्तन करेंगे। इंदौर जिले के मासूमों का कलेक्टर से सवाल है कि आखिर हमें कब इस तपन से मुक्ति दिलाई जाएगी।

अस्पतालों में बढ़ने लगे मरीज

स्वास्थ्य विभाग से मिली जानकारी के अनुसार तपन के चलते लू लगने और हीट स्ट्रोक होने के मामले सामने आने लगे हैं। हालांकि अभी इसकी संख्या बहुत अधिक नहीं है। हालांकि स्वास्थ्य विभाग ने भी हाल ही में एडवाइजरी जारी कर धूप से बचाव की बात कही है। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डा. बीएस सैत्या ने नागरिकों से अपील की है कि लू, तापघात से बचने के लिए खूब पानी पिएं, खाली पेट न रहें, शराब, चाय-कॉफी के अधिक सेवन से बचें। ठंडे पानी से नहाएं व धूप में निकलते समय सर ढंके और हलके रंग के ढीले व पूरी बांह के कपड़े पहनें। बच्चों को बंद वाहनों में अकेला न छोड़ने की भी समझाइश दी गई है।

गर्मी अभी से बढ़ने लगीज शिक्षा विभाग ने ग्रीष्मकालीन अवकाश 1 मई से घोषित किया

गर्मी इस बार अप्रैल माह से पडने लगी है, लेकिन स्कूली शिक्षा विभाग ने विद्यार्थियों का इस बार ग्रीष्मकालीन अवकाश 1 मई से शुरू किया है, जो 46 दिन का रहेगा। यानी ग्रीष्मकालीन अवकाश के लिए विद्यार्थियों को अप्रैल माह में भी अभी 20 दिन और शालाओं में जाना होगा। वहीं शिक्षकों का 15 दिन पहले ही अवकाश खत्म किया गया है।

तमिलनाडु में अगले चरण में भाषा विवाद...

1937 में पेरियार के हिंदी विरोधी आंदोलन को तकरीबन समूचे तमिल समुदाय का समर्थन मिला। 1965 में जब संवैधानिक प्रावधानों के चलते हिंदी राजभाषा बन रही थी, तब सीए अन्नादुरै की अगुआई वाले हिंदी विरोधी तीखे आंदोलन को समूचे तमिलनाडु का साथ मिला। इसके दो साल बाद हुए विधानसभा चुनावों में कांग्रेस को सत्ता गंवानी पड़ी, तब से कांग्रेस राज्य में हाशिए पर ही है। इस बार हिंदी विरोध या रूपए के प्रतीक बदलने की तरकीब को तकरीबन समूचे तमिल समुदाय का साथ मिलता नहीं दिख रहा। इसकी बड़ी वजह यह है कि तमिल समुदाय भी अब भाषा की राजनीति और उसके दायरे को समझने लगा है। संचार क्रांति के जरिए उसे भी पता है कि स्टालिन द्वारा उठाए जा रहे मुद्दों की खामी-खासियत क्या है? तमिल समुदाय के एक हिस्से की समझ बनी है कि उनकी सरकार का विरोध एक बिंदु पर राष्ट्रीय धारा के विपरीत हो सकता है।

उमेश चतुर्वेदी

तमिलनाडु के मुख्यमंत्री स्टालिन की ओर से उठाए गए भाषा विवाद की गेंद को प्रधानमंत्री मोदी ने राजनीतिक समझदारी के साथ उनके ही पाले में डाल दी है। तमिलनाडु की हालिया यात्रा में उन्होंने कह दिया कि तमिल राजनेता अपना हस्ताक्षर अंग्रेजी की बजाय तमिल में क्यों नहीं करते। लगे हाथों उन्होंने यहां तक कह दिया कि तमिलनाडु के मुख्यमंत्री स्टालिन को मेडिकल की पढ़ाई तमिल में करानी चाहिए। तमिलनाडु में हिंदी को लेकर विवाद शुरू से ही रहा है, हाल ही में स्टालिन सरकार ने अपना बजट पेश करते वक्त बजट से रूपए के आधिकारिक हिंदी प्रतीक की विदाई और तमिलभाषा वाले प्रतीक का इस्तेमाल किया था। जिस पर हंगामा होना स्वाभाविक है। अब प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने तमिलनाडु में भाषा को लेकर नया बयान दे दिया है। हो सकता है कि तमिल राजनीति इसका फिर से आक्रामक जवाब दे, लेकिन प्रधानमंत्री के सवाल के बाद तमिल राजनीति के लिए जवाब देना मुश्किल होगा..क्योंकि तमिल का प्रश्न उठाकर एक तरह से प्रधानमंत्री ने तमिल राजनीति को स्थानीयता के ही मुद्दे पर कठघरे में खड़ा करने की कोशिश की है।

दक्षिण में तमिलनाडु इकलौता राज्य है, जिसकी राजनीति तकरीबन सभी ज्वलंत मुद्दों पर बनी राष्ट्रीय सहमति से अलहदा कदम उठाती रही है। श्रीलंका के लिट्टे विद्रोहियों का मसला, हिंदी विरोध और लोकसभा सीटों के परिसीमन के मुद्दे, तमिल राजनीति राष्ट्रीय सहमति से अलग सोचती रही है। इस तरह उसने अपना एक अलग तमिल नैरेटिव रचा। रूपए के प्रतीक का तमिलकरण और हिंदी विरोध की ताजा सोच, अतीत के तमिल नैरेटिव का ही विस्तार है।

सबसे पहले आज के दौर की राजनीतिक मंशा को समझना जरूरी है। मौजूदा राजनीति का हर नया कदम और नई राजनीतिक नैरेटिव बनाने की कोशिश के परोक्ष और प्रत्यक्ष, दो उद्देश्य हैं। पहला मकसद जहां तुरंत जनभावनाओं को अपने पक्ष में मोड़कर सियासी फायदा उठाना होता है, वहीं इनके सहारे भविष्य के लिए अपनी मजबूत सियासी इमारत खड़ा करना भी रहती है। तमिलनाडु सरकार के हालिया कदमों का तात्कालिक कारण है अगले साल होने वाला विधानसभा चुनाव। इन मुद्दों के जरिए डीएमके अपने पक्ष में माहौल बनाने की कोशिश कर रही है। चूंकि ये मुद्दे तकरीबन आठ दशकों से डीएमके की राजनीतिक फसल के खाद का काम करते रहे हैं, इसलिए स्टालिन को एक बार फिर इसी पर भरोसा है।

संविधान के मुताबिक, भारत भले ही राज्यों का संघ हो, लेकिन राज्यों को राष्ट्रीय मुद्दों से अलग राह, जिनमें अलगाववाद के खतरे हों, किसी भी कीमत आगे बढ़ने की छूट नहीं है। संविधानसभा की बहस के दौरान राज्यों के ऐसे कदमों की आशंका को देखते हुए ही मजबूत केंद्र की अवधारणा को स्वीकार किया गया। इसके बावजूद यदा-कदा कई राज्य राष्ट्रीय सोच से अलग रूख अख्तियार करते रहते हैं। हाल के दिनों में इस कोशिश में पश्चिम बंगाल भी जुड़ा, जहां से राष्ट्रवादी विचारधारा को बल मिला। अरसे से कई मुद्दों पर अलग रूख अख्तियार करते वक्त तमिल राजनीति भारतीयता के अभिन्न अंग् तमिल की अवधारणा और संविधान

की सोच को दरकिनार करती रही है।

तमिलनाडु में हिंदी विरोध 1935 में डीएमके के वैचारिक उभार के साथ ही शुरू हुआ। तब भी यह सोच राष्ट्रीय युगबोध से अलग थी। तमिलनाडु में पहले क्रांतिकारी सोच के नाम पर ब्राह्मण विरोध की शुरूआत हुई, जिसका अगला कदम हिंदी विरोध रहा। अब यह सोच एक तरह से उत्तर भारत विरोध तक पहुंच चुकी है। दिलचस्प यह है कि इसमें कई बार कांग्रेस जैसी राष्ट्रीय पार्टी भी मददगार होती रही है। 2023 के विधानसभा चुनावों में छत्तीसगढ़, मध्य प्रदेश और राजस्थान में बीजेपी और तेलंगाना में कांग्रेस को मिली जीत के बाद नया नैरेटिव गढ़ा गया था। जिसके मुताबिक, गोबर पट्टी के राज्यों को पिछड़ा और दक्षिणी राज्यों को समझदार बताया गया। यानी जो बीजेपी को चुने, वह पिछड़ा और जो कांग्रेस को चुने, वह प्रगतिशील। इस नैरेटिव के जरिए उत्तर और दक्षिण के बीच गहरी विभाजन रेखा खींचने की कोशिश हुई। लोकसभा सीटों के परिसीमन को लेकर द्रविड़ राजनीति की ओर से उठाए जा रहे सवालों में इसके विस्तार को देखा जा सकता है।

अपनी अलहदा सोच के लिए अतीत में डीएमके को कीमत भी चुकानी पड़ी है। 1991 में तत्कालीन चंद्रशेखर सरकार ने करूणानिधि सरकार को कुछ ऐसी ही वजहों से बर्खास्त किया था। डीएमके करीब दो दशक से कांग्रेस की सहयोगी है, लेकिन अतीत में एक बार वह भी डीएमके की ऐसी सोच के चलते केंद्र की गुजराल सरकार को गिरा चुकी है। अभी चाहे हिंदी का सवाल हो या फिर रूपए के प्रतीक को बदलने की बात, डीएमके के रूख पर कांग्रेस ने फिलहाल चुप्पी साध रखी है। ऐसा लगता है कि इन मुद्दों पर कांग्रेस की स्थिति सांप और छछूंदर जैसी हो गई है। अगर वह डीएमके का विरोध करती है तो उसे अपने स्थानीय समर्थकों के छिटकने का डर है और यदि समर्थन करती है तो उत्तर भारत में उसकी उम्मीदें बिखर सकती हैं। लेकिन बीजेपी ने आक्रामक रूख अपना रखा है। रूपए का हिंदी प्रतीक बदलने का सबसे तेज विरोध तमिल मूल की निर्मला सीतारमण और राज्य बीजेपी के पूर्व अध्यक्ष अन्नामलाई कर रहे हैं। उनका साथ उनकी पूर्ववर्ती तमिलसाई सौंदर्याराजन दे रही हैं। बीजेपी की कोशिश है, स्टालिन के हिंदी विरोध की हवा तमिल सोच के जरिए निकालने की है। इसका आधार जोहो कंपनी प्रमुख श्रीधर वेंबु हिंदी समर्थन में बयान देकर मुहैया करा चुके हैं।

अगले साल अप्रैल-मई में तमिलनाडु में विधानसभा चुनाव होने हैं। 2021 के चुनाव में दशकभर बाद डीएमके को सत्ता मिली थी। स्टालिन इसे ही बचाए रखने की जुगत में हैं। उत्तर और हिंदी विरोधी माहौल जिंदा रखकर स्थानीय भावनाओं को उभारना तमिलनाडु का आसान राजनीतिक फार्मूला रहा है। त्रिभाषा फ़ॉर्मूले में हिंदी विरोध स्टालिन को सबसे आसान लगा और वे मैदान में कूद पड़े। जनसंख्या के लिहाज से लोकसभा सीटों का परिसीमन में कम होना और रूपए का प्रतीक बदलना इसी का विस्तार है।

1937 में पेरियार के हिंदी विरोधी आंदोलन को तकरीबन समूचे तमिल समुदाय का समर्थन मिला। 1965 में जब संवैधानिक प्रावधानों के चलते हिंदी राजभाषा बन रही थी, तब सीए अन्नादुरै की अगुआई वाले हिंदी विरोधी तीखे आंदोलन को समूचे तमिलनाडु का साथ मिला। इसके दो साल बाद हुए विधानसभा चुनावों में कांग्रेस को सत्ता गंवानी पड़ी, तब से कांग्रेस राज्य में हाशिए पर ही है। इस बार हिंदी विरोध या रूपए के प्रतीक बदलने की तरकीब को तकरीबन समूचे तमिल समुदाय का साथ मिलता नहीं दिख रहा। इसकी बड़ी वजह यह है कि तमिल समुदाय भी अब भाषा की राजनीति और उसके दायरे को समझने लगा है। संचार क्रांति के जरिए उसे भी पता है कि स्टालिन द्वारा उठाए जा रहे मुद्दों की खामी-खासियत क्या है? तमिल समुदाय के एक हिस्से की समझ बनी है कि उनकी सरकार का विरोध एक बिंदु पर राष्ट्रीय धारा के विपरीत हो सकता है। अब तमिलनाडु में भी लोग मिलने लगे हैं, जिन्हें हिंदी विरोध राजनीतिक शिगूफा लगता है। स्टालिन जिस तरह तेजी से एक के बाद एक मुद्दे उछाल रहे हैं, उससे उन्हें और उनके सलाहकारों को लगता है कि हिंदी विरोध हो या परिसीमन की मुखालफत को बड़ा और गहरा समर्थन नहीं मिल रहा है।

पिछले लोकसभा चुनाव में बीजेपी राज्य में अपना खाता नहीं खोल पाई, लेकिन उसका गठबंधन राज्य में 18.2 प्रतिशत वोट हासिल करने में कामयाब रहा। इसमें बीजेपी का वोट 11 प्रतिशत रहा। जबकि पहले उसे तीन से पांच प्रतिशत तक ही वोट मिलता रहा। जाहिर है कि बीजेपी राज्य में अपनी जड़ें जमा रही है। बीजेपी राज्य में स्थानीय की बजाय राष्ट्रीय मुद्दों के साथ पहुंच रही है। यह भी वजह है कि स्टालिन ठेठ और आक्रामक स्थानीय मुद्दों को उभारने की कोशिश कर रहे हैं। अतीत में हिंदी और उत्तर भारत विरोध स्थानीय लोगों को गोलबंद करने का आसान जरिया रहे। इन मुद्दों पर सियासी बैटिंग डीएमके के लिए परिचित पिच रही है। इस पिच पर एक बार फिर सियासी बैंटिंग करना उसे आसान लग रहा है। बीजेपी ने भी पिच तो वही अपनाई है, लेकिन उसके मुद्दे अलहदा हैं। राष्ट्रीय मुद्दे बनाम स्थानीय सोच की इस जंग में फिलहाल देश का दक्षिण कोना घायल होता नजर आ रहा है। इस पर रोक लगाने के लिए राष्ट्रीय स्तर पर सोच बननी जरूरी है। अन्यथा ऐसी राजनीति के दंश का दर्द अरसे तक झेलना पड़ सकता है।

सफलता के 10 वर्ष पूर्ण